सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 7 ● अंक: 295 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 2 दिसम्बर, 2021
मूल्य ₹ 3/-

मित्रता की गहराई परिचय की लम्बाई पर निर्भर नहीं करती।
-रविन्द्रनाथ टैगोर

वायु प्रदूषण रोकने के लिए 24 घंटे के... 8 | चुनावों से पहले डैमेज कंट्रोल में... 3 | केजीएमयू के बाद अब लोहिया... 7

भाजपा पर अखिलेश का बड़ा हमला, कहा

रंग और नाम बदलने वालों को बदल देगी जनता

» यूपी को योगी नहीं योग्य सरकार ले जा सकती है आगे

» जाति-धर्म के खेल ने प्रदेश को कर दिया पीछे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ललितपुर। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज भाजपा पर फिर जमकर हमला बोला। ललितपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सपा सरकार होती तो कोरोना काल में मजदूर पैदल नहीं चलते फिर चाहे जितना पैसा खर्च करना पड़ता। भाजपा सरकार ने उनकी कोई मदद नहीं की। केवल सपा ने पीड़ित परिवारों की आर्थिक मदद दी। राशन के पैकेट बांटे। देश के बंटवारे के समय पर भी ऐसी तस्वीर नहीं दिखी। लॉकडाउन में यूपी में मजदूरों को आने नहीं दिया।

सीएम योगी पर तंज कसते हुए अखिलेश ने कहा योगी वही होता है जो दूसरों का दुख समझे। भाजपा ने कहा था कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज पर चलेगा लेकिन अब तो वे हवाई जहाज और एयरपोर्ट को बेच रहे हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है। पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस सबकुछ महंगा हो गया। सूखा पड़ने पर सपा ने यहां के लोगों की मदद की। सपा सरकार के समय ललितपुर में लोहिया आवास के तहत मकान दिए गए थे। उन्होंने कहा कि साढ़े चार साल में भाजपा ने गरीबों को बहुत परेशान किया। कोरोना के समय मदद करने वाली एंबुलेंस भी सपा सरकार की देन है। आज जाति को देखकर एफआईआर लिखी जा रही है। पुलिस हिरासत में लोग मारे जा रहे हैं। दमदार सरकार कहने वाले दमदार नहीं बल्कि दमदार झूठ बोल रहे हैं। हक मांगने वाले किसानों को गाड़ियों से कुचल दिया गया। ये तीन कृषि कानून केवल वोट के लिए वापस किए गए हैं। किसान तब खुशहाल होगा जब केंद्र और प्रदेश से भाजपा सरकार रवाना हो जाएगी। किसान, नौजवान और व्यापारी सभी दुखी हैं। जाति-धर्म के खेल में यूपी को पीछे धकेल दिया गया है। किसानों को खुशहाल बनाने के लिए सपा नयी योजना बनाएगी। इसके पहले महोबा में अखिलेश ने कहा कि भाजपा केवल नाम और रंग बदलने पर विश्वास करती है। इस बार नाम व रंग बदलने वालों को जनता बदल देगी।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

सपा में सबकी भागीदारी

अखिलेश ने कहा, सपा सरकार ने युवकों को हाईटेक करने के लिए लैपटॉप बांटे। जो मुख्यमंत्री लैपटॉप नहीं चला सकते वह लैपटॉप क्या वितरित करेंगे। प्रदेश को योगी नहीं योग्य सरकार चाहिए। योग्य सरकार ही जनता का भला कर सकती है। यह नयी सपा है। इसमें सभी वर्गों की भागीदारी होगी। सपा सरकार बनने पर जातिवादी जनगणना होगी।

» हक मांगने वाले किसानों को गाड़ियों से कुचला गया

स्वागत में उमड़ी भीड़

सपा विजय रथयात्रा में लोगों की भीड़ उमड़ी रही। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के स्वागत में हजारों लोग पहुंचे। इस दौरान अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगते रहे।

टीईटी पेपर लीक मामले में वरुण गांधी ने अपनी सरकार को घेरा, बोले

सरकारी नौकरी है नहीं और मौका आए तो पेपर लीक

» भाजपा सांसद किसानों और लखीमपुर हिंसा पर भी उठा चुके हैं सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। टीईटी पेपर लीक मामले में पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने एक बार फिर अपनी सरकार पर हमला किया है। उन्होंने ट्वीट किया कि नौकरियां वैसे ही नहीं है और कोई मौका आता है तो पेपर लीक हो जाता है। आखिर कब तक भारत का नौजवान सब्र करे। पिछले काफी समय से वरुण गांधी किसान और लखीमपुर हिंसा को लेकर अपनी ही सरकार को घेरते रहे हैं।

वरुण ने टीईटी मामले में आज ट्वीट किया, पहले तो सरकारी नौकरी ही नहीं है, फिर भी कुछ मौका आए तो पेपर लीक हो, परीक्षा दे दी तो सालों साल रिजल्ट नहीं, फिर किसी घोटाले में रद्द हो। रेलवे ग्रुप डी के सवा करोड़ नौजवान दो साल से परिणामों के इंतजार में हैं। सेना में भर्ती का भी वही हाल है। आखिर कब तक सब्र करे भारत का नौजवान? इससे पहले वरुण ने ट्वीट कर कहा था कि पेपर लीक होना युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ है। इस दलदल की छोटी मछलियों पर कार्रवाई से काम नहीं चलेगा, उनके राजनैतिक संरक्षक शिक्षा माफियाओं पर कठोर कार्रवाई करे सरकार क्योंकि अधिकांश शिक्षण संस्थानों के मालिक राजनैतिक रसूखदार हैं, इन पर कार्रवाई कब होगी? गौरतलब है कि रविवार को यूपी टीईटी परीक्षा के दौरान पेपर लीक होने पर इसे निरस्त कर दिया गया था।

महंगाई पर विपक्ष का हंगामा, कांग्रेस समेत कई दलों ने किया वॉक आउट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्य सभा से विपक्ष के 12 सांसदों के निलंबन से पैदा हुआ गतिरोध टूटने का नाम नहीं ले रहा है। विपक्ष ने निलंबन, किसानों की मौत और महंगाई को लेकर आज भी दोनों सदनों में हंगामा किया। राज्य सभा में किसानों की मौत और बढ़ती महंगाई के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी की। हंगामे के चलते राज्य सभा की कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित करनी पड़ी। वहीं कांग्रेस, एनसीपी, राजद, टीआरएस, टीएमसी और आईयूएमएल के सांसद राज्य सभा से वॉक आउट कर गए।

विपक्ष द्वारा संसद में प्रदर्शन पर केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि गांधी की प्रतिमा के नीचे अगर वे धरना दे रहे हैं तो कुछ सद्बुद्धि आ सकती है। आपको संसद की चर्चा, बहस और फैसलों में भागीदारी करनी चाहिए। यही लोकतांत्रिक मर्यादा है। वहीं कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने लोक सभा में बढ़ती महंगाई पर स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया। सरकार द्वारा किसान आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले लोगों का रिकार्ड न होने के जवाब पर कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने सवाल उठाए। वहीं कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के सांसदों ने 12 राज्य सभा सांसदों के निलंबन को लेकर गांधी प्रतिमा के पास हाथ पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया।

» निलंबित सांसदों ने काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन

अयोध्या के साथ मथुरा भी बन सकता है चुनावी मुद्दा

» केशव प्रसाद मौर्य के बयान के बाद बढ़ी सियासी हलचल

» अयोध्या-काशी के बाद अब मथुरा पर बीजेपी की नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का समय जैसे-जैसे पास आता जा रहा है, वैसे-वैसे सियासी हलचल भी तेज होती जा रही हैं। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक ट्वीट कर सियासी गलियारे में हलचल ला दी। उन्होंने प्रयागराज से ट्वीट किया कि अयोध्या-काशी में मंदिर निर्माण जारी है अब मथुरा की तैयारी है। साथ ही हैशटैग किया कि जय श्री राम, जय शिव शंभू, जय श्री राधे-कृष्ण यह भारतीय जनता पार्टी के भगवा एजेंडे का संकेत माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव में मथुरा भी मुद्दा बन सकता है।

इससे पहले प्रयागराज पहुंचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक चैनल से हुई बातचीत में कहा था कि जिस प्रकार से अयोध्या में श्रीराम की जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण से पूरी दुनिया के रामभक्तों में खुशी की लहर दौड़ गई है। उसी तरह वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के भव्य मंदिर के कॉरीडोर का निर्माण भी हो चुका है। ऐसे में छह अगस्त 2020 के बाद से हम जो नारा लगाते थे कि अयोध्या हुई हमारी, अब काशी-मथुरा की बारी वह नारा संपन्न होता नजर आ रहा है।

दरअसल, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण शुरू होने के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति ने भी करवट ली है। दशकों तक अयोध्या से पर्याप्त दूरी बनाए रहे और खुद को 'सेक्युलर' कहने वाले गैर भाजपाई दलों के नेताओं ने धीरे-धीरे हिंदुत्व की ओर भी सधे कदम रखे हैं। भाजपा पर भगवान राम के नाम पर राजनीति का आरोप लगाने के साथ सपा मुखिया अखिलेश यादव यदा-कदा भगवान कृष्ण को अपना आराध्य बताते रहे हैं। वह मथुरा, चित्रकूट सहित कई धर्मस्थलों पर गए, वहां से राजनीतिक कार्यक्रमों की भी शुरुआत की।

जोर पकड़ रहा है मुद्दा

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण शुरू होने के बाद से मथुरा जन्मभूमि प्रकरण जोर पकड़ रहा है। विगत वर्ष राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य जगदगुरु वासुदेवानंद सरस्वती ने भी कहा था कि पहले राम जन्मभूमि पर मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। राम मंदिर बनने के बाद काशी विश्वनाथ और मथुरा की कृष्ण जन्मभूमि को मुक्त कराने के लिए काम किया जाएगा। इसे कोई रोक नहीं सकता है। यूपी चुनाव को कुछ ही समय शेष है ऐसे में हिंदुत्व के एजेंडे को और मजबूत करने के लिए अब भाजपा ने नेता कार्य कर रहे हैं।

योगी ने तीर्थस्थल घोषित किया था

विगत माह भगवान कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा और क्रीडास्थली वृंदावन को योगी आदित्यनाथ ने तीर्थस्थल घोषित किया था। प्रदेश सरकार ने मथुरा-वृंदावन नगर निगम के 22 वार्डों को पवित्र तीर्थ स्थल घोषित करते हुए वहां मांस-मदिरा की बिक्री को प्रतिबंधित किया, जिसके बाद साधु-संतों ने इस फैसले का स्वागत किया था। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए मथुरा में भारतीय जनता पार्टी तीर्थस्थल के फैसले को चुनावी मुद्दों में शामिल कर सकती है।

जीएसटी के दायरे में लाए पेट्रोल-डीजल : संजय सिंह

» तेल की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए उसे जीएसटी के दायरे में लाना पड़ेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सदस्य व यूपी प्रभारी संजय सिंह ने कहा यूपी चुनाव के चलते केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर वैट घटाया है। चुनाव के परिणाम आने के बाद यही भाजपा सरकार तेल के दाम फिर बढ़ा देगी। उन्होंने कहा कल ही एक झटके में कार्मिशियल सिलेंडर के 100 रुपए बढ़ गए। घरेलू गैस सिलेंडर के दाम भी कई बार बढ़ाए गए। वे बोले कि सरकार लगातार जनता पर बोझ डाल रही है। जबकि महंगाई के उपायों को कम करने के लिए सरकार को विपक्ष से बात कर उसका समाधान निकालना चाहिए।

आप नेता संजय सिंह ने कहा पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाए। तेल की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए उसे जीएसटी के दायरे में लाएंगे तो रेट अपने आप कम हो जाएंगे। संजय सिंह ने आगे कहा संसद सत्र में मोदी सरकार किसानों की बात भी नहीं सुन रही है। भाजपा सरकार को चाहिए कि किसान भाईयों की सभी बात मान ली जाए, ताकि वे अपने घरों को लौट सके। उन्होंने यूपी की कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने प्रयागराज में परिजनों से मुलाकात के बाद इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा है कि एक ही परिवार के 4 लोगों की निर्मम हत्या दिल दहलाने वाली है। लेकिन, इसकी पृष्ठभूमि एक दिन में तैयार नहीं हुई है, बल्कि 2019 और 2020 में मारपीट के बाद केस दर्ज किया गया था। सितंबर 2021 में एक बार फिर से विवाद हुआ था, जिसके बाद भी के दर्ज कराने के लिए मीडिया और स्थानीय लोगों को दखल देना पड़ा था। उन्होंने कहा एक दिव्यांग बच्चे की निर्मम हत्या की गई है, उसके मां-बाप की हत्या की गई है।

भाजपा राज में चार लाख लोगों को मिला रोजगार : सिद्धार्थनाथ

» यूपी में गुंडाराज चाहती है विपक्षी पार्टियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुरादाबाद में भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ का सम्मेलन पंचायत भवन में हुआ। इसमें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव को भी आना था लेकिन किन्हीं कारणों से वह नहीं आ सके। सम्मेलन को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा विकास की बात करती है और समस्याओं का समाधान करती है लेकिन समाजवादी पार्टी व कांग्रेस लोगों की समस्याओं के समाधान के बजाय उनकी समस्या का ही मुद्दा बना देते हैं।

व्यापारियों के हित में भाजपा ने कई योजनाएं चलाईं हैं। कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा सपा सरकार कहती है कि हम

बुलडोजर को वापस कर देंगे, लेकिन सोचने की बात है कि बुलडोजर किनके ऊपर चल रहा है। हमने माफिया, सॉल्वर गैंग के घरों पर बुलडोजर चलाने की बात कही है, सपा बुलडोजर वापस लाने की बात करके गुंडाराज चाहती है। व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष रविकांत गर्ग ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार के नेतृत्व में एक जिला एक उत्पाद के माध्यम से कारोबार में तरक्की हुई है। साढ़े चार लाख लोगों को रोजगार मिला है। भारतीय जनता पार्टी एक ऐसा संगठन है, जिसके विश्व में सबसे ज्यादा सदस्य हैं, सबका साथ सबका विकास के साथ भाजपा आगे बढ़ रही है।भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के विनीत अग्रवाल शारदा ने कहा कि अखिलेश यादव ने प्रदेश को 25 साल पीछे धकेलने का काम किया। उनके राज में लूट, डकैती की घटनाएं चरम पर थीं, तो मां बहनें भी सुरक्षित नहीं थीं। लेकिन आज व्यापारी का बेटा दुकान बंद करके सुरक्षित अपने घर पहुंच जाता है। पहले व्यापारी के बेटे की कब हत्या हो जाए। इसका भय बना रहता था। मुरादाबाद के व्यापारी अब वहां पीतल की फैक्ट्री खोल सकते हैं, व्यापारियों को तय करना है कि बंटी बबली को वोट देना है या व्यापारियों का कल्याण करने वाली योगी और मोदी को वोट देना है।

बसपा ने कानपुर मंडल के सेक्टर प्रभारी नौशाद को हटाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। बसपा प्रमुख मायावती ने बड़ा एक्शन लिया है। उन्होंने मुख्य सेक्टर प्रभारी नौशाद अली को बसपा कानपुर मंडल की सारी जिम्मेदारियों से हटा दिया है। उनकी जगह पर चार लोग 27 विधानसभा सीटों की जिम्मेदारी देखेंगे। चुनाव के बीच बढ़ती सरगर्मी में बड़े मुस्लिम चेहरे को हटाए जाने के बाद से संगठन में सिर्फ दलित चेहरे भर बचे है। नौशाद के हटाए जाने से दलित मुस्लिम गठजोड़ की कवायद कमजोर पड़ने की चर्चा जोर है।

नौशाद अली को कानपुर मंडल का मुख्य सेक्टर प्रभारी बनाया गया था, जिसमें उनकी जिम्मेदारी भी तय की गई थी हर हाल में नवंबर तक 27 विधानसभा सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा उनके द्वारा कर दी जाए। ऐसा नहीं कर पाने पर मायावती ने खुद निर्णय लेते हुए नौशाद अली को उनकी जिम्मेदारी से मुक्त किया। फिलहाल नौशाद अली को पूर्वांचल के कुछ जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है और उनकी जगह पर संगठन के जाट जाट नेताओं को यह जिम्मेदारी दे दी गई है। नौशाद अली को हटाए जाने के बाद उनकी जिम्मेदारी बसपा ने 4 दलित नेताओं को दी है। इसमे से भीमराव अंबेडकर, प्रवेश कुरील, संघप्रिय गौतम और बौद्ध प्रिय गौतम हैं। यह सभी मिलकर नौशाद अली की जगह संगठन की जिम्मेदारी देखेंगे। 2022 चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची भी इन्हीं चार के द्वारा तय की जाएगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

चुनाव आयोग ने बढ़ाया आपत्तियों का समय

» 5 दिसंबर तक राजनीतिक दलों से नए मतदाताओं को जोड़ने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के राजनीतिक दलों से विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत बढ़ाई गई तिथियों में दावे और आपत्तियों के साथ-साथ अधिक से अधिक नए मतदाताओं को जोड़ने की अपील की गई है। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बुधवार को अपने कार्यालय में बैठक के दौरान मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि विधानसभा क्षेत्रों में अपने स्तर से भी व्यापक प्रचार प्रसार कराकर पात्र मतदाताओं को मतदाता बनाने का प्रयास करें।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चुनाव मतदाताओं का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की तिथि को 5 दिसंबर 2021

तक के लिए बढ़ाया गया है। अजय शुक्ला ने बताया कि समस्त राजनीतिक दल भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बढ़ाई गई अवधि का अधिक से अधिक उपयोग कर पात्र का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने में पूरा सहयोग करें। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा तैनात किए गए कार्मिकों को भी निर्देशित किया गया है कि कोई भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने से ना छूटने पाए। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ ब्रह्मदेव राम तिवारी, विशेष कार्याधिकारी निर्वाचन रमेश चंद्र राय, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी अम्बरीष कुमार श्रीवास्तव के साथ भाजपा, समाजवादी पार्टी, बीएसपी, एनसीपी, टीएमसी, आरएलडी आदि दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वेबसाइट पर मतदाता सूची है उपलब्ध

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 1 से 30 नवम्बर तक ही इसकी तिथि तय की गई थी। राजनीतिक दलों के अनुरोध पर इसे 1 नवम्बर से 5 दिसंबर 2021 तक कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा दावे और आपत्तियों के निस्तारण की पूर्व निर्धारित तिथि 20 दिसंबर तथा निर्वाचक नामावलियों के अंतिम प्रकाशन की तिथि 5 जनवरी 2022 में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन हो जाने के बाद मतदाता सूची वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी जाएगी।

चुनावों से पहले डैमेज कंट्रोल में जुटी बसपा मुस्लिम-जाट समीकरण पर नजर

» पश्चिमी उत्तर प्रदेश को साधने की जुगत लगा रहा पार्टी नेतृत्व

» सुरक्षित सीटों पर भी फोकस, मुस्लिम प्रभारी किए गए हैं घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगामी विधान सभा चुनाव को लेकर प्रदेश में राजनीतिक पार्टियां कमर कस चुकी हैं। वहीं बसपा के लिए बड़ा राजनीतिक संकट सामने खड़ा है। यह संकट कुछ और नहीं बल्कि जाति विशेष के लोगों के जाने पहचाने पुराने चेहरों की कमी के तौर पर सामने आ रही है। हालांकि इससे निपटने के लिए पार्टी ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। अब बसपा नेतृत्व जाट और मुस्लिम समीकरण साधने में जुट गयी है। यही वजह है कि बसपा प्रमुख मायावती ने पिछले दिनों लखनऊ में पार्टी के ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग), मुस्लिम और जाट समाज के मुख्य और मंडल सेक्टर स्तर के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में इसकी रणनीति बनायी गयी। मायावती अनुसूचित वर्ग के लिए आरक्षित 86 विधान सभा सीटों में मुस्लिमों और जाट समुदाय को जोड़ने पर जोर दे रही हैं।

पश्चिमी यूपी की सुरक्षित सीटों पर बसपा जाट-मुस्लिम-दलित कॉम्बिनेशन बनाकर मायावती 2022 की चुनावी बाजी अपने नाम करना चाहती हैं। इसी के मद्देनजर मायावती ने जाट और मुस्लिम नेताओं को सुरक्षित विधान सभा सीटों पर अपने-अपने समाज के लोगों को बसपा में जोड़ने का जिम्मा दिया है। इसके लिए उन्होंने जाट और मुस्लिम नेताओं से जमीनी स्तर पर काम करने और समाज की छोटी-छोटी बैठकें करने का मंत्र दिया है। यही नहीं मायावती ने सत्ताधारी भाजपा पर मुसलमानों के साथ अन्याय करने का आरोप भी लगाया। वहीं जाट समुदाय को साधने के लिए भी लगातार भाजपा पर हमलावर हैं। मायावती ने कहा कि मुसलमानों की तरह जाट समाज के साथ भी भाजपा सरकार का सौतेला रवैया साफ नजर आता है। बसपा सरकार में मुस्लिमों को तरक्की के साथ इनके जान माल की पूरी हिफाजत की गई है और जाट समाज की तरक्की का पूरा पूरा ध्यान रखा गया है। अगर बसपा सत्ता में आती है तो मुसलमान और जाट समुदायों के हितों और कल्याण का पूरा ख्याल रखा जाएग। इस तरह से मायावती ने जाट और मुस्लिम को भरोसा दिलाकर साथ जोड़ने का दांव चला है। गौरतलब है कि पश्चिमी यूपी की सियासत में जाट, मुस्लिम और दलित वोटर काफी निर्णायक भूमिका में है। एक समय मायावती दलित-मुस्लिम समीकरण के जरिए पश्चिमी यूपी में जीत का परचम फहराती रही है लेकिन इस बार के सियासी समीकरण बदलते नजर आ रहे हैं। किसान आंदोलन के चलते आरएलडी के राजनीतिक संजीवनी मिली है, जिसके बाद जाट वोटरों का झुकाव एक बार फिर से आरएलडी की ओर नजर आ रहा है। बसपा के पास इस वक्त पश्चिमी यूपी में बड़े मुस्लिम चेहरे न होने की वजह से सब कुछ दुरुस्त करने के लिए न सिर्फ मुस्लिमों को टिकट देने में प्राथमिकता दी जा रही है, बल्कि कई विधान सभा क्षेत्रों में मुस्लिम प्रभारी भी घोषित किए जा चुके हैं। पश्चिमी यूपी के तमाम सीटों पर मुस्लिम कैंडिडेट को हरी झंडी दे दी गई है। वहीं, जाट उम्मीदवारों पर भी बसपा दांव खेलने की तैयारी में है।

नए चेहरों को जिम्मेदारी

बसपा अब नए चेहरों पर बड़ी जिम्मेदारियां देने की तैयारी कर रही है। पार्टी ने पिछड़ों के बड़े नेता के तौर पर भीम राजभर को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। पार्टी ने आजाद भारती पार्टी के विलय के बाद इसके नेता मानवेंद्र आजाद मौर्य को प्रदेश महासचिव की जिम्मेदारी दी है। इसके अलावा बहुजन समाज पार्टी ने ब्राह्मण नेताओं के तौर पर सतीश चंद्र मिश्रा और उनके परिवार को न सिर्फ आगे किया बल्कि उन्हें मैदान में उतारकर ब्राह्मण वोटों के साथ सोशल इंजीनियरिंग का दांव भी चला है।

बसपा का साथ छोड़ गए मुस्लिम नेता

पश्चिमी यूपी में बसपा के तमाम मुस्लिम नेता मायावती का साथ छोड़कर सपा और आरएलडी में शामिल हो गए हैं। बसपा के बड़े मुस्लिम चेहरों के तौर पर पहचान रखने वाले कादिर राणा, असलम अली चौधरी, शेख सुलेमान सपा में जा चुके हैं। पूर्व सांसद शाहिद सिद्दीकी, चौधरी मोहम्मद इस्लाम, मीरापुर से पूर्व विधायक मौलाना जमील और पूर्व विधायक अब्दुल वारिस राव आरएलडी में शामिल हो चुके हैं। मुस्लिम नेताओं के बसपा छोड़ने से पश्चिमी यूपी में पार्टी का सियासी समीकरण बिगड़ रहा है।

मिशन यूपी : युवाओं को टैबलेट और स्मार्ट फोन से लुभाने में जुटी भाजपा सरकार

अब जल्द ही बांटेगी फ्री स्मार्ट फोन और टैबलेट

» डीजी शक्ति नाम से बनाया गया पोर्टल

» 29 नवंबर तक करीब 27 लाख छात्रों का डेटा पोर्टल पर अपलोड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटो-कॉन्सेप्ट

लखनऊ। यूपी सरकार युवाओं को तकनीकी रूप से अपग्रेड करने के लिए जल्द ही बड़ी सौगात देने वाली हैं। यूपी में इस महीने यानी दिसंबर के दूसरे सप्ताह से नि:शुल्क स्मार्ट फोन और टैबलेट का वितरण शुरू हो जाएगा। इसके लिए डीजी शक्ति नाम से पोर्टल बनाया गया है, जिसे जल्द ही सीएम योगी आदित्यनाथ लॉन्च करेंगे। इसी पोर्टल के माध्यम से स्मार्ट फोन और टैबलेट के वितरण की जानकारी और छात्रों को भविष्य में पढ़ाई के लिए कंटेंट दिया जाएगा।

इसके अलावा स्मार्ट फोन और टैबलेट के बारे में समय-समय पर छात्रों को उनके मोबाइल नंबर और मेल आईडी पर सूचना दी जाएगी। सरकार की ओर से छात्रों को फ्री स्मार्टफोन और टैबलेट के लिए कहीं भी पंजीकरण यानी रजिस्ट्रेशन कराने की जरूरत नहीं है। रजिस्ट्रेशन से लेकर स्मार्ट फोन और टैबलेट वितरण तक की पूरी व्यवस्था फ्री है। छात्रों का डेटा कॉलेजों की ओर से यूनिवर्सिटी को दिया जा रहा है। यूनिवर्सिटी के माध्यम से ही छात्रों के डेटा फीडिंग हो रही है। 29 नवंबर तक करीब 27 लाख छात्रों का डेटा पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है। बाकी छात्रों के डेटा फीडिंग की प्रक्रिया भी तेजी से जारी है। गौरतलब है कि अक्टूबर महीने में प्रदेश के युवाओं के तकनीकी सशक्तीकरण के लिए यूपी कैबिनेट ने नि:शुल्क स्मार्ट फोन और टैबलेट योजना के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इस योजना पर करीब तीन हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे।

किन युवाओं को मिलेगा लाभ?

स्मार्टफोन या टैबलेट ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुशन, बीटेक, पॉलिटेक्निक, मेडिकल एजुकेशन, पैरा मेडिकल और कौशल विकास मिशन की ट्रेनिंग लेने वाले छात्रों को दिए जाएंगे। बता दें कि उत्तर प्रदेश में अगले साल यानी 2022 में चुनाव होने हैं, जिसमें अब कुछ ही महीनों का वक्त बाकी है। ऐसे में सभी दल एक्टिव हैं और अपने वादों का पिटारा खोल रहे हैं।

पहले लॉट में पांच लाख स्मार्ट फोन

टेंडर में चयनित कंपनियों को पहले लॉट में कम से कम ढाई लाख टैबलेट की आपूर्ति करनी होगी। हालांकि स्मार्ट फोन के लिए चयनित कंपनियों को पहले लॉट में कम से कम पांच लाख स्मार्ट फोन की आपूर्ति करनी होगी।

महीने के इसी हफ्ते तक जारी होगा वर्क ऑर्डर

सरकार की ओर से स्मार्ट फोन और टैबलेट की खरीद के लिए जेम पोर्टल पर अब तक का सबसे बड़ा टेंडर जारी किया गया है। 47 सौ करोड़ की लागत से खरीदे जाने वाले स्मार्ट फोन और टैबलेट के लिए कई नामी कंपनियों ने टेंडर किया है। इसमें टैबलेट के लिए विशटल (आईरिस), सैमसंग (विजन) और एसर (सेलकॉन), स्मार्ट फोन के लिए लावा, सैमसंग (सेलकॉन) और सैमसंग (यूनाइटेड) ने टेंडर दिया है। तकनीकी जांच के बाद योग्य फर्मों की वित्तीय निविदा खोली जाएगी। उम्मीद है कि इसी माह के पहले हफ्ते तक वर्क ऑर्डर जारी होगा।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

ग्लोबल वार्मिंग और गैर-पारंपरिक ऊर्जा

जीवाश्म ईंधन के उपयोग से उत्पन्न होने वाले कार्बन से बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण ने दुनिया को चिंता में डाल दिया है। लिहाजा भारत समेत तमाम देश स्वच्छ ऊर्जा पर जोर दे रहे हैं। यही वजह है कि भारत भू-तापीय, सौर और ज्वारीय ऊर्जा जैसे अन्य गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों का रुख कर रहा है। फिलहाल भारत की स्थापित अक्षय या स्वच्छ ऊर्जा क्षमता 150 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है। सवाल यह है कि क्या स्वच्छ ऊर्जा स्रोत ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में उपयोगी हैं? क्या प्रकृति पर आधारित ऊर्जा स्रोतों की चुनौतियों से निपटा जा सकता है? क्या रोजगार के क्षेत्र में इसकी कोई उपयोगिता है? क्या यह निवेश को आकर्षित कर सकेगा? क्या यह ऊर्जा विकास की रफ्तार को बनाए रख सकेगी? क्या देश में पूरी तरह कार्बन मुक्त ऊर्जा का प्रयोग किया जा सकेगा?

स्वच्छ ऊर्जा में न्यूनतम कार्बन का उत्सर्जन होता है जबकि जीवाश्म ईंधन ग्रीनहाउस गैस और कार्बन डाइऑक्साइड का काफी अधिक उत्सर्जन करते हैं। यह ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण को बढ़ाता है। यही वजह है कि पिछले दिनों ग्लासगो सम्मेलन में कार्बन आधरित ऊर्जा को धीरे-धीरे कम करने पर सहमति बनी। यह ऊर्जा का स्थायी स्रोत है वहीं जीवाश्म ईंधन जैसे तेल, गैस और कोयला जिन्हें ऊर्जा के सीमित संसाधन माना जाता है, उनके समाप्त होने की संभावना है। स्वच्छ ऊर्जा क्षमता की दृष्टि से भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के मुताबिक देश में 1522.35 मेगावॉट स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ोतरी हुई है और स्रोतों के विस्तार के लिए विभिन्न योजनाओं पर काम जारी है। जाहिर है इस सेक्टर के विस्तार से अलग-अलग स्तरों पर रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। ग्रामीण भारत में यह क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है। वहीं अगले चार वर्षों में इस क्षेत्र 80 बिलियन डॉलर के निवेश की संभावना है। इससे 2040 तक स्वच्छ ऊर्जा संसाधनों पर हमारी निर्भरता आधे से अधिक हो जाएगी। इससे सौर ऊर्जा की लागत में भी गिरावट आयेगी। कार्बन के उत्सर्जन में कमी आने का असर जलवायु पर पड़ेगा और देश में प्रदूषण पर भी नियंत्रण लगेगा। यही वजह है कि भारत भू-तापीय, ज्वारीय जैसे अन्य गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों का रुख कर रहा है। बावजूद इसके कई चुनौतियां भी हैं। इस ऊर्जा का उत्पादन पूर्णत: मौसम और जलवायु पर निर्भर करता है। यदि मौसम अनुकूल नहीं हुआ तो जरूरी ऊर्जा का उत्पादन नहीं हो सकेगा। ऐसे में भारत को ऊर्जा प्रौद्योगिकियों का विकास और दक्षता उत्पन्न करनी होगी। कुल मिलाकर ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए भारत ही नहीं दुनिया को स्वच्छ ऊर्जा की शरण में जाना ही होगा।

“ जीवाश्म ईंधन के उपयोग से उत्पन्न होने वाले कार्बन से बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण ने दुनिया को चिंता में डाल दिया है। लिहाजा भारत समेत तमाम देश स्वच्छ ऊर्जा पर जोर दे रहे हैं। यही वजह है कि भारत भू-तापीय, सौर और ज्वारीय ऊर्जा जैसे अन्य गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों का रुख कर रहा है। फिलहाल भारत की स्थापित अक्षय या स्वच्छ ऊर्जा क्षमता 150 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

घरेलू उद्योगों की कीमत पर न हो निर्यात

भरत झुनझुनवाला

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत के निर्यात बुलंद हैं और इनके बल पर हम तीव्र आर्थिक विकास हासिल कर लेंगे। यही मंत्र विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और अन्य पश्चिमी संस्थाएं पिछले 50 वर्षों से हमें सिखा रही हैं लेकिन इस नीति का परिणाम है कि देशों के बीच असमानता बढ़ती जा रही है और हम वैश्विक दौड़ में पिछड़ रहे हैं। विश्व व्यापार से हमें दूसरे देशों में बना सस्ता माल उपलब्ध हो जाता है लेकिन इससे आर्थिक विकास जरूरी नहीं है। मसलन चीन के शंघाई में किसी बड़ी फैक्टरी में सस्ती फुटबाल का उत्पादन होता है। उसका भारत में आयात किया जाता है और हमारे उपभोक्ता को फुटबाल कम मूल्य पर उपलब्ध हो जाती है लेकिन साथ-साथ भारत में फुटबाल बनाने के उद्योग बंद हो जाते हैं क्योंकि उनके द्वारा बनाई गई फुटबाल महंगी है। हमारे उद्योग में रोजगार उत्पन्न होना बंद हो जाता है। हमारे श्रमिक बेरोजगार हो जाते हैं। इसके विपरीत यदि भारत में ही फुटबाल का उत्पादन करें, यद्यपि इसका मूल्य चीन की तुलना में अधिक पड़ता हो तो लाभप्रद होता है।

विश्व व्यापार के माध्यम से हमें सस्ता माल मिलता है लेकिन क्रयशक्ति समाप्त होती है और हम भूखे मरते हैं जबकि घरेलू उत्पादन से हमें महंगा माल मिलता है लेकिन हाथ में क्रयशक्ति होती है और हम कम मात्रा में खरीदे गये महंगे माल से जीवित रहते हैं। वर्तमान समय में कोविड के संकट के बाद वैश्विक स्तर पर अंतरमुखी अर्थव्यवस्था को अपनाया जा रहा है इसलिए वर्तमान में हम निर्यातों को बढ़ा पायेंगे, इसमें संशय है। अर्थशास्त्र में मुक्त व्यापार के सिद्धांत का आधार यह है कि हर देश उस माल का उत्पादन करेगा, जिसमें वह सफल है। जैसे यदि चीन में फुटबाल सस्ती बनती हो और भारत में दवा सस्ती बनती हो तो चीन और भारत दोनों के लिए यह लाभप्रद है कि भारत चीन से फुटबाल का आयात करे और चीन भारत से दवाओं का, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि हर देश किसी न किसी माल को बनाने में सफल हो ही। ऐसा भी संभव है कि चीन में फुटबाल सस्ती बने और चीन में ही दवा भी सस्ती बने। ऐसी स्थिति में यदि भारत मुक्त व्यापार को अपनाता है तो चीन से फुटबाल और दवा दोनों का आयात होगा और भारत में उत्पादन समाप्तप्राय हो जाएगा और हमारे नागरिक बेरोजगार और भूखे रह जायेंगे। इसलिए पहले हमको यह देखना चाहिए कि किन क्षेत्रों में हम उत्पादन करने में सफल हैं। उन क्षेत्रों को बढ़ाते

हुए हमें निश्चित करना चाहिए कि हम निर्यात बढ़ा सकें। जब निर्यात हो जाएं तब हम उतनी ही मात्रा में आयात करें तो कांटे में संतुलन बनता है लेकिन वर्तमान स्थिति यह है कि अपने देश से निर्यात कम और आयात ज्यादा हो रहे हैं। फलस्वरूप अपने देश में उत्पादन कम हो रहा है, रोजगार कम बन रहे है और हमारी आर्थिक विकास दर लगातार गिर रही है। इसका अर्थ यह नहीं कि हम हर प्रकार के आयात प्रतिबन्धित करें। कुछ माल ऐसे होते हैं, जिनका हम उत्पादन नहीं कर पाते हैं। जैसे इंटरनेट के राउटर बनाने की हमारे पास क्षमता नहीं है। ऐसी परिस्थिति में हमें राउटर का आयात करना ही होगा और उस आयात को करने के लिए जितनी विदेशी मुद्रा हमें चाहिए, उतना निर्यात भी करना ही होगा। हमें राउटर के आयात के लिए विदेशी मुद्रा अर्जित करनी है। तब हमें अपने माल को औने-पौने दाम पर सस्ता बेचना पड़ता है। जैसे हम अपने बासमती चावल और लौह खनिज को सस्ते मूल्य पर बेचते हैं क्योंकि हमें सस्ती फुटबाल और दवा का आयात करना है। ऐसा करने से हमारा पानी, हमारा धान, हमारा चावल, और हमारे खनिज का सस्ता निर्यात होता है और हम गरीब होते जाते हैं। हमें समझना होगा कि हमारे अपने देश की अपनी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए हमें अपने उत्पादन को सफल करना होगा और वैश्विक स्तर पर सस्ता माल बनाना होगा। फिलहाल ऐसी परिस्थिति नहीं दिख रही है कि भारत का माल सस्ता बन रहा हो इसलिए हमें आयातों से बचना चाहिए। हम अपनी आय का लगभग 20 प्रतिशत बचत और निवेश करते हैं जबकि चीन लगभग 45 प्रतिशत। चीन के माडल को अपने देश में अपनाने में दो संकट हैं। पहली आज विश्व व्यापार का संकुचन हो रहा है और दूसरी हमारी बचत दर चीन से कम है। इसलिए हमें निर्यातों के पीछे भागने के स्थान पर अपने उद्योगों को पहले संरक्षण देना होगा। उनकी जड़ें मजबूत करने के लिए हमें उन समस्याओं को दूर करना चाहिए, जिसके कारण हमारे देश में उत्पादन महंगा पड़ता है, जिसमें विशेषत: सरकारी भ्रष्टाचार प्रमुख है।

प्रतियोगी परीक्षाओं को लीकप्रूफ बनाने की जरूरत

कृष्ण प्रताप सिंह

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा का प्रश्नपत्र आउट होने के चलते उसे रद्द किये जाने को लेकर अभ्यर्थियों का आक्रोश स्वाभाविक है। नि:संदेह अभ्यर्थियों को अनेक असुविधाएं झेलकर परीक्षा भवन में पहुंचने और प्रश्नपत्र का उत्तर देना शुरू करने के बाद पता चले कि उनकी सारी मेहनत पर पानी फिर गया है, तो उन्हें जिस गम्भीर तनाव की हालत से गुजरना पड़ता है उसकी न जांच का कोई सरकारी आश्वासन उसकी भरपाई कर सकता है, न यह ऐलान कि जो भी दोषी पाये जायेंगे, उन पर गैंगस्टर व राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कड़ी कार्रवाई होगी। उनकी सम्पत्तियां जब्त कर ली जायेंगी।

योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा इस सिलसिले में की गई इस घोषणा कि महीने भर में ही यह परीक्षा दोबारा करा दी जायेगी और उसमें भाग लेने आने हेतु अभ्यर्थियों को राज्य सड़क परिवहन की बसों में उनके प्रवेश पत्र को ही टिकट मानकर नि:शुल्क यात्रा की सुविधा दी जायेगी, का भी तब तक कोई मतलब नहीं है, जब तक इस सवाल का जवाब न मिले कि लाखों अभ्यर्थियों के भविष्य की निर्धारक इस तरह की अर्हता परीक्षाओं की फुलप्रूफ व्यवस्था क्यों नहीं की जाती। ज्ञातव्य है कि इस परीक्षा के लिए कोई 21 लाख 65 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था और उनमें जो गरीब मां-बाप की संतान थे, दूर-दराज के गांवों से अनेक तकलीफें उठाकर आवंटित परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचे थे, उनके पास सिर्फ किराये के खर्च की ही समस्या नहीं थी, जिसे अगली बार के लिए मुफ्त कर योगी सरकार उपकार जता रही है। उनमें से अनेक का भोजन व ठहरने की जगह पर खर्च की तंगी से भी सामना था। इसलिए उन्होंने परीक्षा की पिछली रात खुले आसमान के नीचे काटी थी। सवाल है यदि इसके पीछे शिक्षा क्षेत्र में फैला हुआ व्यापक भ्रष्टाचार नहीं है तो ऐसी घटनाओं की बार-बार पुनरावृत्ति क्यों होती रहती है? जानकारों के अनुसार इस परीक्षा में इस बार पहली बार लाइव सीसीटीवी सर्विलांस की व्यवस्था की गई थी ताकि हर हाल में शुचिता बरकरार रखते हुए नकल रहित परीक्षा सम्पन्न कराई जा सके। लेकिन लाइव सीसीटीवी सर्विलांस के बूते परीक्षा की शुचिता की रक्षा के सरकारी दावे की धज्जियां उड़ने में घंटा भर भी नहीं लगा। यह तब था जब उक्त सर्विलांस को हर परीक्षा केंद्र पर एक्टिव किया गया था और लखनऊ में उसकी मॉनिटरिंग की जा रही थी। यह क्यों कर हुआ कि परीक्षा शुरू होने के तुरंत बाद ही उसका प्रश्नपत्र गाजियाबाद, मथुरा और बुलंदशहर आदि जिलों में व्हाट्सएप पर लीक होकर वायरल हो गया? प्रदेश पुलिस की जो स्पेशल टास्क फोर्स अब दावा कर रही है कि उसने तत्परतापूर्वक प्रश्नपत्र लीक होने का पता लगा लिया, जिसके बाद परीक्षा रद्द कर दी गयी, उसकी तत्परता को तभी पूर्ण माना जा सकता था, जब वह प्रश्नपत्र लीक होने से पहले ही उसकी कोशिश या साजिश में लगे तत्वों का भंडाफोड़ कर देती। आखिर परीक्षा व्यवस्था में उनके अनुकूल छिद्र छोड़ देने का दोष किस पर मढ़ा जायेगा और क्या उसका शमन इतने से ही हो जायेगा कि टास्क फोर्स जिसे भी धर दबोचे, उस पर रासुका व गैंगस्टर लगा दे? इस तरह कुछ छोटी मछलियां जरूर फंस जायेंगी, लेकिन बड़ी मछलियां तो गुल खिलाती ही रहेंगी और इस सवाल का जवाब शायद कभी न मिले कि क्या सम्बन्धित अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत के बिना इस तरह प्रश्नपत्र का आउट होना संभव है? अनेक वारदातों के बावजूद प्रदेश सरकार प्रश्नपत्र लीक या आउट की समस्या की जड़ तक नहीं पहुंच पाई है और उसकी हर पुनरावृत्ति के वक्त सोती हुई पकड़ी जाती व कड़ी कार्रवाइयों की घोषणाएं करने लग जाती है तो क्या इसे सामान्य मामला मानकर दरकिनार किया जा सकता है?

योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा इस सिलसिले में की गई इस घोषणा कि महीने भर में ही यह परीक्षा दोबारा करा दी जायेगी और उसमें भाग लेने आने हेतु अभ्यर्थियों को राज्य सड़क परिवहन की बसों में उनके प्रवेश पत्र को ही टिकट मानकर नि:शुल्क यात्रा की सुविधा दी जायेगी, का भी तब तक कोई मतलब नहीं है, जब तक इस सवाल का जवाब न मिले कि लाखों अभ्यर्थियों के भविष्य की निर्धारक इस तरह की अर्हता परीक्षाओं की फुलप्रूफ व्यवस्था क्यों नहीं की जाती। ज्ञातव्य है कि इस परीक्षा के लिए कोई 21 लाख 65 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था और उनमें जो गरीब मां-बाप की संतान थे, दूर-दराज के गांवों से अनेक तकलीफें उठाकर आवंटित परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचे थे, उनके पास सिर्फ किराये के खर्च की ही समस्या नहीं थी, जिसे अगली बार के लिए मुफ्त कर योगी सरकार उपकार जता रही है।

शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ाने के लिए लें संतुलित आहार

आपके शरीर में भोजन का एनर्जी में बदलना ही मेटाबॉलिज्म यानी चयापचय कहलाता है। मानव शरीर को अपने कार्य संपन्न करने के लिए, भोजन पचाने के लिए, रक्त परिसंचरण करने और श्वास व हॉर्मोनल संतुलन जैसे तमाम कार्यों के लिए उचित मात्रा में एनर्जी यानी ऊर्जा की जरूरत होती है, जो उसे भोजन से मिलती है। यह ऊर्जा मेटाबॉलिज्म से मिलती है यानी मेटाबॉलिज्म जितना अच्छा होगा, आप उतने ऊर्जावान और एक्टिव रहेंगे। लेकिन अगर शरीर का मेटाबॉलिज्म ठीक नहीं रहेगा तो थकान, हाई कोलेस्ट्रॉल, मांसपेशियों में कमजोरी, ड्राई स्किन, वजन बढ़ना, जोड़ों में सूजन, भारी मासिक धर्म, डिप्रेशन और दिल धड़कने की धीमी गति जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में अपने शरीर के मेटाबॉलिज्म को सही बनाए रखने के लिए आपको इन चीजों का सेवन करना चाहिए...

प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थ

प्रोटीन रिच फूड बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। दूध, चीज और अन्य डेयरी प्रोडक्ट के साथ-साथ अंडा, चिकन, फिश, सीफूड और मीट मेटाबॉलिज्म को बढ़ाते हैं। प्रोटीन फैट को मांसपेशियों में बदलकर मजबूत बनाता है। इसलिए इससे वेट कंट्रोल भी रहता है।

चिली पेपर

चिली पेपर में मौजूद केमिकल कैपसेसिन शरीर के मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर कैलोरी और फैट बर्न करता है। एक रिसर्च के अनुसार कैपसेसिन एक दिन में शरीर की 50 कैलोरी बर्न करता है। इसमें एपेटाइट को कम करने का भी गुण है।

एप्पल साइडर विनिगर

ऐपल साइडर विनिगर स्किन और बॉडी के लिए काफी अच्छा होता है और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। यह फैट को बर्न करके ऊर्जा में तब्दील कर देता है। यह फीलिंग ऑफ फुलनेस को बढ़ाता है जिससे आप जरूरत से ज्यादा खाना नहीं खाते।

विटमिन सी रिच फ्रूट

साइट्रिस फ्रूट जैसे संतरा, अंगूर, नींबू, लाइम और भी कई फल बॉडी में आयरन की मात्रा को बढ़ाते हैं। यह बॉडी के टीशू और मांसपेशियों को मजबूत करते हैं।

कोकोनट ऑयल

कोकोनट ऑयल यानी नारियल तेल मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में एक अहम भूमिका निभाता है। इसमें ऐसी सामग्रियां पाई जाती हैं जो कि लिवर में सीधे जाकर फैट को ऊर्जा में बदल देता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर रोज 30 मिली. कोकोनट ऑयल बॉडी में जाता है तो इससे कुछ ही समय में कमर पतली हो सकती है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में कई ऐंटीऑक्सिडेंट जैसे कैटीचिन और पॉलीफेनल मौजूद होता है जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और शरीर से टॉक्सिन बाहर निकालता है। ग्रीन टी पीने से एक दिन में 100 कैलरी बर्न होती है।

हरी साग सब्जियां

हरी सब्जियों में जिंक, आयरन और सिलेनियम पाया जाता है जो कि थायरॉइड ग्लैंड के लिए काफी अच्छा होता है। पालक समेत और भी कई साग हैं जो बॉडी में मेटाबॉलिज्म के स्तर को बढ़ाते हैं।

फलियां और दालें

मूंग, मसूर, चना, बींस, मूंगफली में बाकी फूड प्लांट्स की अपेक्षा ज्यादा प्रोटीन होता है। फलियों में आहार संबंधी फाइबर होते हैं जिससे डाइजेशन सही होता है। यह फैट को ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करता है और ब्लड शुगर के स्तर को सामान्य रखता है।

कहानी — पैसा कैसे डूबता है

एक बार एक आदमी ने गांव वालों से कहा कि वो 100 रुपये में एक बंदर खरीदेगा। ये सुनकर सभी गांव वाले नजदीकी जंगल की ओर दौड़ पड़े और वहां से बंदर पकड़-पकड़कर 100 रुपये में उस आदमी को बेचने लगे। कुछ दिन बाद ये सिलसिला कम हो गया और लोगों की इस बात में दिलचस्पी कम हो गई। फिर उस आदमी ने कहा कि वो एक-एक बंदर के लिए 200 रुपये देगा। ये सुनकर लोग फिर बंदर पकड़ने में लग गए, लेकिन कुछ दिन बाद मामला फिर ठंडा हो गया। अब उस आदमी ने कहा कि वो बंदरों के लिए 500 रुपये देगा, लेकिन अब उसे शहर जाना था इसलिए उसने इस काम के लिए एक असिस्टेंट नियुक्त कर दिया। 500 रुपये सुनकर गांव वाले बदहवास हो गए, लेकिन पहले ही लगभग सारे बंदर पकड़े जा चुके थे। इसलिए गांव के लोगों को कोई भी बंदर हाथ नहीं लगा तो गांव वाले परेशान हो गये। तब उस आदमी का असिस्टेंट गांव वालों के पास जाता है और उनसे कहता है कि आप लोग क्यों परेशान है, चाहें तो सर के पिंजरे में से 400-400 रुपये में बंदर खरीद सकते हैं, जब सर आ जाएं तो 500-500 में बेच दीजिएगा। आप लोगों को इससे फायदा होगा। गांव वालों को ये प्रस्ताव भा गया और उन्होंने सारे बंदर 400-400 रुपये में खरीद लिए। अगले दिन न वहां कोई असिस्टेंट था और न ही कोई सर। बस थे तो बंदर ही बंदर।

हंसना मना है

एक आदमी बारिश में भीगते हुए ठिठुरता हुआ कहीं जा रहा था। एक लड़की जो छाता लेकर जा रही थी, बोली: आप चाहें तो मेरे छाते के नीचे आ सकते हैं! आदमी: नहीं बहनजी, मैं ठीक हूं ! कहकर आगे बढ़ गया। आप सोच रहे होंगे कितना शरीफ आदमी था! जी नहीं...दरअसल पीछे-पीछे बीवी आ रही थी।

नौकरानी-बीबीजी मुझे दस दिन की छुट्टी चाहिए। मालकिन-तू दस दिन छुट्टी पे जाएगी तो तेरे साहब का टिफिन कौन बनाएगा। उन्हें दवाई कौन देगा। उनके कपड़े कौन धोएगा। प्रेस कौन करेगा। नौकरानी ने शरमाते हुए बड़े प्यार से कहा आप कहे तो साहब को साथ ले जाऊं मालकिन..?

इंटरव्यू के दौरान बॉस: क्या आपको ब्रिटिश भाषा आती है। लड़का: हां। बॉस: कुछ बोलकर सुनाइए। लड़का: डूगना लागान डेना पड़ेगा बुवन। बॉस: चल दफा हो।

6 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आसपास के लोगों से मदद नहीं मिल पाएगी। पारिवारिक मामलों में आपकी उलझनें बढ़ सकती हैं।

वृषभ — कामकाज की गति धीमी रहेगी। प्रेम संबंधों में तनाव होगा। खुद को शांत रखने की कोशिश करेंगे और सफल हो जाएंगे।

मिथुन — अपनी कोई खास बात आप अच्छी तरह कह नहीं सकेंगे। इसके कारण गलतफहमी भी हो सकती है।

कर्क — मीठा बोलकर काम पूरे करवा लेंगे। आपकी कार्य क्षमता आने वाले दिनों में भी आपको फायदा दिलाएगी।

सिंह — कोई आपको भरोसे में लेकर धोखा भी दे सकता है। उतार-चढ़ाव भी बना रहेगा।

कन्या — जोखिम भरे निवेश से दूर रहना होगा। बिजनेस में धन हानि के योग बन रहे हैं। कामकाज की गति धीमी हो सकती है।

तुला — निवेश के मामलों में आपको संभलकर रहना होगा। आपके कामकाज भी अटक सकते हैं।

वृश्चिक — फालतू बातें भी आपके दिल-दिमाग में चलती रहेगी। किसी बात की टेंशन हो सकती है। समय पर दोस्तों की मदद मिलेगी।

धनु — आपको सावधान रहना होगा। दूसरों की सलाह पर भरोसा न करें। अनजान लोगों पर भरोसा करने से बचें।

मकर — बिजनेस में आपका पैसा उलझ सकता है। जोखिम भरे निवेश से भी आपको बचना होगा।

कुम्भ — नए एग्रीमेंट न करें। स्टूडेंट्स के लिए दिन अच्छा रहेगा। सेहत को लेकर लापरवाही न करें।

मीन — परिवार के मामलों में जिम्मेदारियां निभाते जाएंगे। खरीददारी हो सकती है। कोई पुरानी देनदारी निपट जाएगी।

बॉलीवुड | मन की बात

गलतफहमी दूर करने के लिए बिग बी ने धोए थे करीना के पैर

इस दुनिया को देखने का नजरिया सबका अलग-अलग होता है। वहीं बच्चों का नजरिया सबसे अनोखा होता है। मासूमियत में बच्चे कुछ ऐसी हरकतें करते हैं जो हमेशा के लिए यादगार बन जाता है। कुछ ऐसा ही किस्सा करीना कपूर खान के बचपन का है जब वह बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन को बुरा इंसान समझती थीं। अमिताभ बच्चन ने अपने पर्सनल ब्लॉग पर यह किस्सा पोस्ट करके बताया कि करीना कपूर खान को एक बड़ी गलतफहमी हो गई थी। इस गलतफहमी की वजह से करीना कपूर खान काफी डर गई थीं और उन्हें बुरा इंसान समझने लगी थीं। अपने ब्लॉग पर अमिताभ बच्चन ने यह किस्सा साझा किया कि वह करीना कपूर खान के पिता रणधीर कपूर के साथ फिल्म पुकार का एक एक्शन सीक्वेंस शूट कर रहे थे। इस ऐक्शन सीक्वेंस में अमिताभ बच्चन को रणधीर कपूर को मारना था। अमिताभ बच्चन करीना कपूर खान को यह एक्शन सीक्वेंस नरेट करके बता रहे थे। उस दौरान वह फिल्म पुकार की शूटिंग के लिए गोवा में थे। करीना कपूर खान ने एक बहुत ही प्यारा समर हैट पहना था जिस पर गुलाबी फूल लगे हुए थे। यह एक्शन सीन सुनते वक्त करीना कपूर खान काफी डर गई थीं। जब उन्हें पता चला कि अमिताभ बच्चन उनके पिता रणधीर कपूर को मारने वाले हैं तब वह अपने पिता की तरफ भागीं और उन्हें पकड़कर चिपक गईं। करीना कपूर खान की आंखों में आंसू थे और वह काफी डर गई थीं। इस चक्कर में उन्होंने अपने पैर भी गंदे कर लिए थे। करीना को शांत करने के लिए अमिताभ बच्चन ने पानी मंगवाया जिसके बाद उन्होंने उनके पैर भी धोए। अमिताभ बच्चन ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह करीना कपूर खान की गलतफहमी दूर करना चाहते थे कि वह एक इंसान हैं।

भारत को जीत दिलाने कपिल देव बनकर मैदान में उतरें रणवीर सिंह

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह पिछले काफी समय से अपनी अगली फिल्म 83 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। अब आखिरकार उनकी इस मोस्ट अवेटेड फिल्म का दमदार ट्रेलर भी रिलीज कर दिया गया है। इसमें रणवीर को भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव की भूमिका निभाते हुए देखा जा रहा है। अपने हर किरदार की तरह इस बार भी रणवीर पूरी तरह से अपनी भूमिका में डूब चुके हैं।

जानिए कैसा है ट्रेलर

3 मिनट 49 सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत में दिखाया गया है कि भारतीय क्रिकेट टीम के सभी खिलाड़ी एक-एक करके आउट होने लगे हैं और सभी की उम्मीदें अब कप्तान कपिल देव पर आकर टिक गई हैं। ट्रेलर के पहले भाग में जहां एक ओर टीम इंडिया को हार, स्ट्रगल और लोगों की आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है। वहीं, दूसरे भाग में टीम की शानदार वापसी और जीत की कहानी दिखाई गई है।

वर्ल्डकप जीतने पर आधारित है फिल्म

हालांकि, इस जीत से पहले पूरी भारतीय टीम को बेहद दुख और तिरस्कार झेलना पड़ता है। फिल्म की पूरी कहानी 1983 में भारतीय क्रिकेट टीम द्वारा पहली बार वर्ल्ड कप जीतने के सफर पर आधारित है। इसमें दीपिका पादुकोण और पंकज त्रिपाठी को भी अहम भूमिका में देखा जा रहा है । दीपिका ने इसमें कपिल देव की पत्नी रोमी भाटिया का किरदार निभाया है। जबकि पंकज भारतीय टीम के मैनेजर पीआर मान सिंह के रोल में दिख रहे हैं।

बॉलीवुड | मसाला

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

कबीर खान के निर्देशन में बनी ये फिल्म 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है। इसे हिन्दी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा।

अमीषा पटेल के खिलाफ वारंट जारी

अमीषा पटेल पिछले कुछ समय से फिल्मों से काफी दूर हैं। हालांकि, किसी न किसी वजह से वह लगातार सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में अमीषा के खिलाफ भोपाल की एक अदालत ने जमानती वारंट जारी किया है। दरअसल, एक्ट्रेस के खिलाफ चेक बाउंस का केस दर्ज करवाया गया था, जिसकी अगली सुनवाई के लिए अमीषा को कोर्ट में पेश होने के आदेश दिए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमीषा को 4 दिसंबर को भोपाल की अदालत में पेश होना है।

बता दें कि अमीषा पर 32.25 लाख रुपये का चेक बाउंस का केस चल रहा है एक्ट्रेस पर यह मामला यूटीएफ टेलीफिल्म प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दर्ज करवाया गया है। उनका कहना है कि एक्ट्रेस ने उनसे फिल्म बनाने के लिए पैसे लिए थे और इसके बदले 2 चेक दिए थे, लेकिन अब वे दोनों ही बाउंस हो गए हैं। अब अगर एक्ट्रेस इस केस में भोपाल अदालत में पेशी नहीं देतीं तो उन्हें गिरफ्तार भी किया जा सकता है। अब अमीषा खुद अदालत पहुंचेंगी या अपने वकील के जरिए जवाब देने वाली हैं, फिलहाल इसे लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आ पाई हैं।

अजब-गजब | जापान ने बनाई अजीबो-गरीब बस

ये बस सड़क पर चलेगी और पटरी पर भी

जापान में दुनिया की पहली ऐसी गाड़ी बनाई गई है, जिसकी क्षमता सड़क के साथ-साथ रेलवे ट्रैक पर भी दौड़ने की होगी। ये एक बस होगी, जो सड़क और ट्रैक पर आराम से चल सकेगी। पहले कहा जा रहा था कि टोक्यो ओलंपिक तक बस का संचालन शुरू हो जाएगा लेकिन अब ये बस क्रिसमस के आस-पास लोगों के लिए चलाने की योजना बनाई गई है। बस का शुरुआती ट्रायल कामयाब होने के बाद सरकार इसे दो राज्यों के बीच चलाने की प्लानिंग में है। दुनिया में अपनी तरह का ये पहला वाहन है। इसका संचालन जापान की कंपनी एसा सीसाइड रेलवे कर रही है। शुरू में इस बस को केइओ, टोकूमिशा, मुरोतो और कोची के बीच चलाया जाएगा। ड्यूल मोड व्हीकल का रूट ऐसा बनाया जाएगा कि ये सड़क और रेल पटरी, दोनों से होकर गुजरे। इस वाहन की शुरुआत क्रिसमस पर शिकोकु से की जाएगी।

Dual Mode Vehicle के रूट के मुताबिक ये 6 किलोमीटर सड़क पर चलेगा और 10 किलोमीटर रेलवे ट्रैक पर दौड़ेगा। जापानी मीडिया के मुताबिक इस तरह का वाहन तैयार करने के लिए माइक्रोबस में ही कुछ संसोधन किए गए हैं। इसमें ऐसे पहिये लगाए गए हैं, जो रेल की पटरी पर चलने के लिए उपयुक्त हैं। जब बस को सड़क पर चलना होगा तो ये पहिये ऊपर की ओर उठ जाते हैं और सामान्य रूप से बस टायर के सहारे चलने लगती है। इसी तरह कहीं भी ज़रूरत होने पर इन्हें स्विच किया जा सकेगा। जापान में दुनिया की पहली ऐसी गाड़ी बनाई गई है, जिसकी क्षमता सड़क के साथ-साथ रेलवे ट्रैक पर भी दौड़ने की होगी। ये एक बस होगी, जो सड़क और ट्रैक पर आराम से चल सकेगी। पहले कहा जा रहा था कि टोक्यो ओलंपिक तक बस का संचालन शुरू हो जाएगा लेकिन अब ये बस क्रिसमस के आस-पास लोगों के लिए चलाने की योजना बनाई गई है। बस का शुरुआती ट्रायल कामयाब होने के बाद सरकार इसे दो राज्यों के बीच चलाने की प्लानिंग में है। दुनिया में अपनी तरह का ये पहला वाहन है। इसका संचालन जापान की कंपनी एसा सीसाइड रेलवे कर रही है। शुरू में इस बस को केइओ, टोकूमिशा, मुरोतो और कोची के बीच चलाया जाएगा। ड्यूल मोड व्हीकल का रूट ऐसा बनाया जाएगा कि ये सड़क और रेल पटरी, दोनों से होकर गुजरे। इस वाहन की शुरुआत क्रिसमस पर शिकोकु से की जाएगी।

Dual Mode Vehicle के रूट के मुताबिक ये 6 किलोमीटर सड़क पर चलेगा और 10 किलोमीटर रेलवे ट्रैक पर दौड़ेगा। जापानी मीडिया के मुताबिक इस तरह का वाहन तैयार करने के लिए माइक्रोबस में ही कुछ संसोधन किए गए हैं। इसमें ऐसे पहिये लगाए गए हैं, जो रेल की पटरी पर चलने के लिए उपयुक्त हैं। जब बस को सड़क पर चलना होगा तो ये पहिये ऊपर की ओर उठ जाते हैं और सामान्य रूप से बस टायर के सहारे चलने लगती है। इसी तरह कहीं भी जरूरत होने पर इन्हें स्विच किया जा सकेगा

दवाइयों के पैकेट पर क्यों बनी होती है लाल पट्टी

हमारे परिवारों में जब कोई मामूली तौर पर बीमार पड़ता है तो घर के ही लोग कोई दवा बता देते हैं। कई बार लोग दवाएं बेचने वाले दुकानदार से ही कोई दवा खरीद कर खा लेते हैं। यूं तो ऐसा करना खतरनाक साबित हो सकता है मगर लोग इन चीजों के बारे में ज्यादा संजीदा नहीं होते। हालांकि बहुत से लोग दवाओं की एक्सपायरी डेट जरूर चेक कर लेते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि दवा पर एक और चीज ऐसी होती है जिसे खाने से पहले चेक कर लेना बेहद जरूरी है। ये है कुछ दावाओं पर लाल पट्टी। चलिए आपको हम बताते हैं कि इस लाल पट्टी का क्या काम है। आपने कई ऐसी दवाओं के पैकेट देखे होंगे जिन पर लाल रंग की लाइन बनी रहती है। आम आदमी से अगर पूछा जाए कि उस पट्टी का क्या काम है तो वो यही कहेगा कि वो सिर्फ दवा कंपनी की डिजाइन है। लेकिन असल में उस लाइन का बहुत जरूरी काम होता है जिसके बारे में लोग कम ही जानते हैं। एक्सपायरी डेट की तरह ये पट्टी आपको दवा के बारे में बेहद जरूरी चीज के बारे में बताती है। भारत सरकार के स्वास्थ मंत्रालय ने साल 2016 में ट्विटर पर एक पोस्ट शेयर किया थे जिसमें उन्होंने डीटेल में बताया था कि लाल पट्टी का क्या अर्थ होता है। जिस दवा के पैकेट पर लाल पट्टी होती है वो बिना डॉक्टर के प्रिसक्रिप्शन के नहीं लेना चाहिए। इन दवाओं में एंटिबायोटिक्स प्रमुख होती हैं। ये पट्टियां इस बात का संकेत हैं कि दवा को बिना डॉक्टर के द्वारा बताए नहीं लेना चाहिए। कई बार हम दुकानदार से ही दवा मांग लेते हैं। ऐसे में पट्टी को देखकर हम जांच सकते हैं कि वो दवा किस तरह खानी है। हालांकि अपने से या दुकानदार के सुझाव पर कोई भी दवा नहीं खा लेनी चाहिए। किसी मेडिकल प्रैक्टिशनर की सलाह लेना आवश्यक होता है। पर बिना धारी वाली दवाओं को खाने से आपकी सेहत पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा।

केजीएमयू के बाद अब लोहिया संस्थान के रेजीडेंट डॉक्टर करेंगे हड़ताल

» नीट पीजी काउंसिलिंग में देरी को लेकर चिकित्सा सेवाओं को रखेंगे ठप

» भविष्य से खिलवाड़ करने का लगाया आरोप, मरीजों को उठानी पड़ेगी परेशानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केजीएमयू के बाद अब डा. राममनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के जूनियर रेजिडेंट चिकित्सकों ने भी कल से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का ऐलान किया है। नीट पीजी की काउंसलिंग में हो रही देरी की वजह से उन्होंने चिकित्सा सेवाओं को ठप रखने का फैसला किया है। ऐसे में जांच और इलाज संबंधी सेवाएं बाधित रहेंगी। इससे ओपीडी आने वाले मरीजों को मुश्किल हो सकती है।

लोहिया संस्थान के रेजिडेंट डॉक्टरों ने बुधवार को भी नीट पीजी के दाखिलों में देरी के विरोध में प्रदर्शन किया। दोपहर दो बजे के बाद रेजिडेंट डॉक्टरों ने हाथो में बैनर पोस्टर लेकर प्रशासनिक भवन के सामने सांकेतिक विरोध प्रदर्शन शुरू किया। रेजिडेंट एसोसिएशन के महामंत्री डॉ. मनोज ने बताया कि प्रदर्शन में इमरजेंसी में तैनात किसी भी रेजिडेंट को शामिल नहीं किया। वहीं जो रेजिडेंट प्रदर्शन करने आए वे सभी ड्यूटी करके आए थे। आंकोलोजी विभाग के डा. रौनक ने कहा कि अपनी विभिन्न मांगों को लेकर रेजीडेंट डाक्टर शुक्रवार से अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जा रहे हैं। इस दौरान रेडियोलॉजी से लेकर अन्य जांच सेवाएं और ओपीडी का कार्य पूरी तरह ठप किया जाएगा। उनका कहना है कि रेजिडेंट डाक्टरों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। वहीं किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के रेजिडेंट डॉक्टर भी पिछले तीन दिनों से नीट पीजी काउंसलिंग कराए जाने को लेकर धरना दे रहे हैं। इस धरने में जूनियर रेजिडेंट सरकार से पीजी की काउंसलिंग जल्दी से जल्दी कराए जाने की मांग कर रहे हैं। जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, ओपीडी समेत अलग-अलग विभागों के वार्ड और जांच आदि में कार्यरत रहते हैं। जाहिर है आने वाले दिनों में मरीजों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

बढ़ रहा दबाव

डा. प्रवीण यादव ने कहा कि लगातार ड्यूटी करने के बाद भी हम अपनी मांगों को लेकर यहां धरने पर बैठे हैं क्योंकि हमारी मांगे जायज हैं। नए बैच की काउंसलिंग समय पर नहीं हो पा रही है जिसकी वजह से हम पर अधिक दबाव बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि कि हमारे धरने से मरीजों को परेशानी न हो इस बात का पूरा ख्याल रख रहे हैं।

अनिल भूषण को परीक्षा नियामक प्राधिकारी सचिव का मिला कार्यभार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने बुधवार को शिक्षा संवर्ग के दो अधिकारियों के तबादले किए है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद लखनऊ के संयुक्त निदेशक अनिल भूषण चतुर्वेदी का तबादला राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान प्रयागराज के निदेशक पद पर किया गया है। चतुर्वेदी को सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी का भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। चतुर्वेदी पहले भी प्राधिकारी सचिव रहे है।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान सीतापुर के उप प्राचार्य मनोज कुमार अहिरवार को रजिस्ट्रार विभागीय परीक्षाएं प्रयागराज के पद पर स्थानांतरित किया है। शिक्षक पात्रता परीक्षा-2021 का पेपर लीक होने के मामले में बड़ी कार्रवाई के तहत एसटीएफ ने सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी सचिव संजय कुमार उपाध्याय को प्रयागराज से गिरफ्तार किया था। उन्हें मंगलवार को निलंबित किया गया था।

सड़क हादसे में दंपति की मौत, एक जख्मी

» शादी में शामिल होकर एक ही बाइक से घर लौट रहे थे तीनों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। वैवाहिक समारोह में शामिल होने के बाद एक ही बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे एक परिवार के तीन लोग ट्रक की चपेट में आ गए। इसमें दंपति की मौत हो गई, जबकि मृतक का भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा होलागढ़ इलाके में खुटहना गांव के सामने बुधवार देर रात हुआ। दुर्घटना के बाद चालक वाहन छोड़कर भाग निकला। खलासी को पकड़ लिया गया है।

होलागढ़ थाना क्षेत्र के धुसुरपुर चाटी गांव निवासी बनवारी लाल के यहां सोरांव में रहने वाले रिश्तेदार ने वैवाहिक कार्यक्रम का निमंत्रण दिया था। बुधवार रात इसी में शामिल होने के लिए बनवारी लाल का पुत्र चंद्रशेखर शर्मा (28) अपनी पत्नी चांदनी (25) और छोटे भाई पप्पू के साथ गया था। रात को वहां से तीनों बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे। तीनों अभी खुटहना गांव के सामने पहुंचे

थे कि आगे जा रहे ट्रक को चंद्रशेखर ओवरटेक करने लगा। इसी बीच बाइक में टक्कर लग गई। चंद्रशेखर और चांदनी ट्रक के नीचे चले गए जबकि पप्पू दूसरे छोर पर गिरा। ट्रक पति-पत्नी को रौंदता हुआ आगे निकल गया। पप्पू ने मदद की आवाज लगाई तो आसपास के लोग पहुंचे लेकिन तब तक दंपति की मौत हो चुकी थी। कुछ ही देर में मौके पर पहुंची पुलिस ने पप्पू को अस्पताल में भर्ती कराया। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला है जबकि खलासी को पकड़ लिया गया है। पुलिस ने खलासी को हिरासत में ले लिया। उससे चालक के बारे में जानकारी ली जा रही है।

तटीय इलाकों में जवाद तूफान मचा सकता है कहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तटीय इलाकों में 'जवाद तूफान' के कहर से तबाही का खतरा मंडरा रहा है। इसकी वजह अंडमान सागर और उससे सटे बंगाल की खाड़ी पर कम दबाव का क्षेत्र बनने की वजह से अगले कुछ घंटों में इसके तीव्र होकर डिप्रेशन बनना रहेगा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इसके बंगाल की खाड़ी के मध्य भाग में उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है और इसके बाद इस मौसम प्रणाली के लिए अभी शुरुआती कुछ घंटों तक इस मौसम के पहले चक्रवात में तेज होने की उम्मीद है।

स्काईमेट के अनुसार, संभावना है कि आज शाम से उत्तरी आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पड़ोसी पश्चिम बंगाल के तट पर आज शाम से खराब मौसम की स्थिति का खतरा है। इसके बाद मौसम काफी अधिक खराब रहने की संभावना है और मौसम की स्थिति उग्र बनी रहेगी। एजेंसी का कहना है कि अनुकूल पर्यावरणीय परिस्थितियों में जवाद तूफान गहरे समुद्र की ओर जाएगा। जवाद तूफान लैंडफॉल स्टेज पर पहुंचने से पहले एक भीषण चक्रवाती तूफान बन सकता है।

कांग्रेस मुख्यालय पर राजस्थान के बेरोजगार युवकों का प्रदर्शन जारी

» प्रियंका गांधी से वार्ता की मांग, प्रमोद कृष्णन बोले, समाधान करे गहलोत सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव के लिए पसीना बहा रहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के लिए उन्हीं की पार्टी की राजस्थान सरकार ने मुसीबत खड़ी कर दी है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राजस्थान से आए बेरोजगार युवा कांग्रेस मुख्यालय के बाहर धरने पर बैठे हैं।वे प्रियंका गांधी से मुलाकात करने की मांग कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद कृष्णम ट्वीट कर गहलोत को प्रदर्शनकारियों से वार्ता और समस्या के समाधान की सलाह दी है।

राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के बैनर तले वही बेरोजगार युवा लखनऊ में पार्टी मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं जिन्होंने विधान सभा चुनाव में कांग्रेस को समर्थन दिया था। उनकी 21 सूत्रीय मांगें हैं। आरोप है कि राजस्थान सरकार अपने वादे से मुकर रही है, इसलिए वह प्रियंका गांधी वाड्रा से मिलकर न्याय चाहते हैं। प्रदर्शनकारियों में महासंघ अध्यक्ष उपेन यादव सहित कुछ युवा अनशन पर भी हैं। इनमें से सुमन की तबीयत मंगलवार को खराब हुई, जबकि बुधवार को पंकज कुमारी भी बीमार हो गईं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रमोद कृष्णम ने ट्वीट कर लिखा, धरना दे रहे प्रदर्शनकारियों से राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को तत्काल वार्ता कर समस्या का समाधान निकालना चाहिए। अपनी मुसीबत को प्रियंका गांधी के गले में डाल देना कदापि उचित नहीं है।

किसानों को देंगे एमएसपी की गारंटी : रणदीप सिंह

» पंजाब के कृषि मंत्री का बड़ा ऐलान, दायरे में लाई जाएंगी 113 फसलें, चुनाव से पहले चला नया दांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। एमएसपी को लेकर पंजाब के कृषि मंत्री रणदीप सिंह नाभा ने बड़ा बयान दिया है। नाभा ने ऐलान किया कि यदि किसानों को केंद्र सरकार एमएसपी पर गारंटी नहीं देगी तो पंजाब सरकार देगी। एमएसपी के दायरे में 113 फसलों को लाया जाएगा।

कृषि कानून वापस होने के बाद अब किसान एमएसपी की गारंटी को लेकर दिल्ली की सीमाओं पर डटे हुए हैं। हालांकि केंद्र की सरकार ने किसानों की इस मांग को पूरा करने से पहले कमेटी का गठन किया है, जिसमें किसान नेताओं को भी शामिल करने के लिए किसान संगठनों से नामों की सूची मांगी है। किसानों की मांगों को लेकर केंद्र सरकार के लगातार फैसले लिए जाने से पंजाब में होने वाले विधान सभा चुनाव में राजनीतिक दलों से चुनावी मुद्दा छिन गया है। किसानों ने भी अब पहले की भांति केंद्र सरकार पर हमला करना बंद कर दिया है। ऐसे में कांग्रेस सरकार अब किसानों को रिझाने में पूरी तरह से जुट गई है। इसके तहत कृषि मंत्री रणदीप सिंह नाभा ने एमएसपी को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एमएसपी को लेकर ढुलमुल रवैया अपना रही है। किसानों के हितों को देखते हुए यदि जल्द ही केंद्र सरकार कोई फैसला नहीं लेती है तो पंजाब सरकार किसानों को एमएसपी पर गारंटी देगी जिसमें किसानों की 113 फसलों को दायरे में लाया जाएगा।

वोट में तब्दील होगी अखिलेश की सभा में उमड़ी भीड़!

भाजपा के खिलाफ दिख रही नाराजगी, स्थानीय समस्याओं पर फोकस करने पर मिलेंगे वोट

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव बुंदेलखंड दौरे पर हैं। यहां पिछली बार भाजपा ने सभी सीटें जीती थीं। वहीं सपा प्रमुख को इस बार पूर्वांचल और बुंदेलखंड से बहुत उम्मीद है। उनकी रैली में अपार भीड़ उमड़ रही है। वे लगातार भाजपा और सीएम पर हमला कर रहे हैं। क्या ये भीड़ वोटों में तब्दील होगी? ऐसे सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार हरजिंदर, अजय शुक्ला, अशोक वानखेड़े, लेखक रविकांत और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

रविकांत ने कहा, बुंदेलखंड की समस्यायें वही हैं जो पूरे प्रदेश में हैं। हालांकि यहां सीमांत किसान हैं और उनकी काफी समस्याएं हैं। लोगों की उम्मीद अखिलेश यादव से बढ़ी है। इसका फायदा मिलेगा। बुंदेलखंड में भीड़ वोट में तब्दील होगी इसे कहना अभी जल्दबाजी होगी। हरजिंदर ने कहा, यह भीड़ भाजपा सरकार से नाराज लोगों की है। वहां कांग्रेस भी सक्रिय है। हालांकि यह अखिलेश के पक्ष में जा सकती है।

अजय शुक्ला ने कहा, लोगों का अखिलेश के प्रति रुझान है क्योंकि उन्हें लगता है कि वे सरकार बना लेंगे। बावजूद इसके यहां महिलाएं प्रियंका गांधी के साथ काफी जुड़ी हुई हैं। प्रियंका में वे इंदिरा गांधी की छवि देख रही हैं। इसका फायदा भी कांग्रेस को मिल सकता है।

अशोक वानखेड़े ने कहा, सियासी भीड़ वोट में तब्दील नहीं होती है। कुछ भीड़ स्वत: स्फूर्त होती है। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर अखिलेश के लिए सरकार से नाराज भीड़ उमड़ी थी। कांग्रेस सपा के सामने यूपी में जीरो हैं। वहीं भीड़ जुटाने से भाजपा को हराना संभव नहीं है। प्रियंका और अखिलेश दोनों की सभा में भीड़ दिख रही। अखिलेश अपने बयानों से भाजपा को कई बार मौका दे देते हैं। अखिलेश को लोकल समस्याओं को उठाना चाहिए।

मोदी के संसदीय क्षेत्र में बच्ची से रेप के मामले ने पकड़ा तूल

सनबीम स्कूल का प्रबंधक गिरफ्तार अधिवक्ताओं ने आरोपियों को पीटा

» लखनऊ से पहुंचा फोन तो रोक दी गई थी गिरफ्तारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र में नौ साल की बच्ची से रेप के मामले ने तूल पकड़ लिया है। पुलिस पर सवालिया निशान लगने के ठीक पांच दिन बाद पुलिस ने वाराणसी के लहरतारा स्थित सनबीम स्कूल में क्लास-3 की छात्रा से रेप के मामले में प्रबंधक दिलीप सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश किया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने सनबीम स्कूल लहरतारा के दो शिक्षकों की जमकर पिटाई कर दी।

अधिवक्ताओं का आरोप था कि दोनों टीचर प्रबंधक की पैरोकारी के लिए आए थे और एक वीडियो बना रहा था। बताया ये भी जा रहा है कि इस पूरे मामले को

लखनऊ से आए एक रसूखदार फोन के चलते दबाने की कोशिश की गई। यहां तक कि गिरफ्तारी पर भी रोक थी। मगर मामला तूल पकड़ने के बाद पुलिस ने प्रबंधक को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। इससे पहले सिगरा थाने की पुलिस ने बताया कि रेप के आरोपी अजय कुमार उर्फ सिंकू को

स्वीपर के पद पर प्रबंधक दिलीप सिंह ने ही नियुक्त किया था।

उधर, पूछताछ के बाद एसआईटी ने दीपक मधोक और सनबीम लहरतारा मैनेजमेंट के 10 लोगों को छोड़ दिया। इन सभी 10 लोगों से एसआईटी ने लगभग 14 घंटे पूछताछ की। जांच अब भी जारी है।

> **"सनबीम मैनेजमेंट से लहरतारा स्कूल से संबंधित सारे कागजात पेश करने को कहा गया है। हम इस संबंध में सीबीएसई बोर्ड से भी संपर्क करेंगे। एसआईटी की जांच और पूछताछ आगे भी जारी रहेगी। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।**
>
> ए. सतीश गणेश, पुलिस कमिश्नर

बता दें कि इस मामले में राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम ने स्कूल का निरीक्षण किया और कहा कि दोषियों को सख्त सजा दिलाकर ही रहेंगे। आरोपी स्वीपर पसियाना गली, बौलिया निवासी सिंकू पुलिस की गिरफ्त में है।

गठबंधन की पहली रैली सात को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मेरठ में सात दिसंबर को होनी वाली अखिलेश यादव व जयंत चौधरी की संयुक्त रैली के लिए दोनों ही पार्टी के नेताओं ने अपनी ताकत लगा दी है। सात दिसंबर को मेरठ के दबथुआ के पास यह गठबंधन रैली होनी है। समाजवादी पार्टी व राष्ट्रीय लोकदल का आगामी विधानसभा चुनाव में गठबंधन पर मुहर लग चुकी है।

गठबंधन की यह पहली रैली है। जो वेस्ट यूपी के मेरठ में होगी। दोनों ही पार्टी के नेता इस पर कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। पार्टी ने सभी सात विधानसभा को लेकर सभी गांवों से भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी दी है। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय सचिव अनिल दुबे ने बताया कि 2022 में राष्ट्रीय लोकदल व सपा गठबंधन की सरकार बनेगी। प्रदेश की जनता महंगाई की मार झेल रही है चारों तरफ लूट हत्या डकैती हो रही हैं। चारों तरफ हाहाकार मचा है। जनता सरकार को उखाड़ कर फेंकने का मन बना चुकी। यह वोट के रूप मे आक्रोश बनकर फूटेगा और इस सरकार को उखाड़ कर फेंकने का काम करेगा।

फोटो: 4पीएम

प्रदर्शन राजधानी लखनऊ में बीजेपी कार्यालय के सामने स्वस्थ भारत मिशन ग्रामीण में काम करने वाले लोगों ने पिछले कई महीनों से मानदेय न मिलने के विरोध में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने कई को हिरासत में लिया।

वायु प्रदूषण रोकने के लिए 24 घंटे के अंदर योजना बताएं केंद्र: सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली में प्रदूषण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख दिखाया है। कोर्ट ने आज केजरीवाल सरकार से पूछा कि जब राजधानी में प्रदूषण इस हद तक बढ़ चुका है, तो आखिर स्कूल क्यों खुले हैं? सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अगर दिल्ली सरकार वयस्कों के लिए वर्क फ्रॉम होम की सुविधा लागू कर सकती है, तो आखिर बच्चों को जबरदस्ती क्यों स्कूल जाने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के दौरान केंद्र और दिल्ली सरकार को वायु प्रदूषण रोकने के लिए 24 घंटे के अंदर योजना के साथ पेश होने के लिए कहा। कोर्ट ने कहा कि अगर यह दोनों सरकारें प्रदूषण रोकने में कोई कदम उठाने में चूकती हैं, तो हम इस बारे में आदेश देंगे। सर्वोच्च न्यायालय अब इस मामले में कल सुबह 10 बजे सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा हमें लगता है वायु प्रदूषण के मुद्दे पर कुछ हो ही नहीं

रहा, जबकि इसका स्तर लगातार खराब होता जा रहा है। इस पर केंद्र सरकार ने कहा कि जो भी उद्योग तय मानकों का पालन नहीं कर रहे थे, उन्हें बंद कराया गया है और इस बारे में राज्य सरकारों को भी जानकारी दी गई। केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार की तरफ से चीजें तेज गति से चल रही हैं और अफसर लगातार वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए काम कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा, हम औद्योगिक और वाहनों के प्रदूषण को लेकर गंभीर हैं।

199 प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटियों में बंद

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में 78 फीसदी मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन का चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से निपट गया है। इसमें 78.22 फीसदी मतदाताओं ने वोट डाले। शाम 5 बजे तक चले मतदान के बाद 199 प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटियों में बंद हो गया। मतपत्रों की छंटाई का काम आज जारी है। मतगणना भी देर शाम शुरू हो सकती है। फिलहाल बता दें कि सभी पदों के परिणाम आने 3-4 दिन का समय लग सकता है। इससे पहले मतदान सुबह नौ बजे से शुरू हुआ। शुरुआत में कम वकील वोट डालने पहुंचे। लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, मतदान में तेजी आने लगी।

इस दौरान प्रत्याशी और उनके समर्थक मतदाताओं को अपने अपने पक्ष में रिझाने में जी-जान से लगे रहे। मतदान के लिए इस बार 20 गेट बनाए गए थे। मतदाताओं को सीरियल के अनुसार निर्धारित गेट से ही प्रवेश दिया गया। इससे मतदान कार्य में

किसी प्रकार की अड़चन नहीं आई। एल्डर कमेटी के सदस्य और चुनाव अधिकारियों की टीम मंच से लगातार चुनाव कार्य की निगरानी कर रही थी। एल्डर कमेटी के सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल तिवारी ने बताया कि कुल 8,900 बैलेट पेपर जारी किए गए थे। जिनमें से 7549 लोगों ने मतदान किया। इसमें 3 टेंडर और 1 अवैध मत भी शामिल है। कुल 1351 बैलेट पेपर वापस किए गए। कुल 9,659 मतदाता थे।

सख्ती के कारण इस बार नहीं खुले चुनाव कार्यालय

एल्डर कमेटी की सख्ती के कारण इस बार हाईकोर्ट परिसर के आसपास प्रत्याशियों के चुनाव कार्यालय नहीं खुल सके। इसके बावजूद तमाम उम्मीदवारों की ओर से मतदाताओं के चाय-नाश्ते और खाने-पीने का इंतजाम किया गया था। कई प्रत्याशियों ने मतदाताओं में लंच पैकेट बंटवाए। चुनाव कार्यालय न खुलने की वजह से अन्य वर्षों की तुलना में हाईकोर्ट के बाहर का चुनाव माहौल ठंडा ही दिखा। मगर भीतर चहल-पहल में कोई कमी नहीं थी।

इस बार बैलेट पेपर अलग-अलग रंगों के थे। इनके लिए उसी रंग की मतपेटियां लगाई गई थी। ताकि मतपत्रों की छंटाई में लगने वाले समय को कम किया जा सके। मतदाताओं की सहायता के लिए सहायक चुनाव अधिकारियों की टीम बूथों पर मौजूद थी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।